नईदुनिया

भोपाल, 21 नवम्बर 2026

खास-खबरें

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14.20 अरब डॉलर घटकर 705.34 अरब डॉलर पर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 नवंबर को समाप्त हफ्ते में 14.20 अरब डॉलर घटकर अब 705.34 अरब डॉलर रह गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक इससे पिछले हफ्ते में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.49 अरब डॉलर बढ़कर 719.55 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था।

आंकड़ों के मुताबिक 13 नवंबर को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां भी 7.9 अरब डॉलर घटकर 583.45 अरब डॉलर रह गईं। आरबीआई ने बताया कि इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 6.18 अरब डॉलर घटकर 98.61 अरब डॉलर रह गया। केंद्रीय बैंक के अनुसार विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 9.2 करोड़ डॉलर घटकर 18.52 अरब डॉलर रह गया।

रिटायरमेंट के बाद एकमुश्त नहीं, हर महीने निकाल सकेंगे पीएफ का पैसा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारियों को नियमित आमदनी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने नियमित निकासी योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत कर्मचारी 58 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने के बाद अपनी पूरी भविष्य निधि की राशि एकमुश्त निकालने के बजाय हर महीने निश्चित किस्तों में प्राप्त कर सकेंगे। खास बात यह है कि खाते में बची हुई राशि पर ब्याज भी मिलता रहेगा।

वर्तमान में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन सालाना 8.25 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। नई व्यवस्था के तहत नियमित निकासी करने के बावजूद खाते में शेष राशि पर ब्याज मिलता रहेगा। हालांकि, भविष्य में मिलने वाला ब्याज संबंधित वित्त वर्ष के लिए घोषित दर पर निर्भर करेगा।

मौजूदा व्यवस्था में सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारी अपनी जमा भविष्य निधि की राशि एक साथ निकाल सकते हैं। नई योजना में उन्हें अपनी बचत संगठन के पास जमा रखने और निर्धारित अंतराल पर नियमित राशि प्राप्त करने का विकल्प मिलेगा। इससे सेवानिवृत्ति के बाद घरेलू खर्चों के लिए नियमित आमदनी का साधन उपलब्ध हो सकेगा। किस्तों में राशि प्राप्त करने के दौरान खाताधारक की मृत्यु होने पर खाते में बची रकम सुरक्षित रहेगी। ऐसी स्थिति में परिवार या नामित व्यक्ति पूरी शेष राशि एकमुश्त निकाल सकेगा। इसके अलावा वह नियमित किस्तों के माध्यम से राशि प्राप्त करने का विकल्प भी चुन सकेगा। उदाहरण के तौर पर यदि किसी कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के समय भविष्य निधि में 50 लाख रुपये जमा हैं और सालाना ब्याज दर 8.25 प्रतिशत रहती है, तो इस पर हर महीने लगभग 0.6875 प्रतिशत ब्याज बनेगा। गणना के अनुसार, यदि कर्मचारी 20 वर्षों तक हर महीने 30 हजार रुपये निकालता है, तो इसके बाद भी खाते में लगभग 75.33 लाख रुपये शेष रह सकते हैं। यह गणना निर्धारित ब्याज दर के आधार पर अनुमानित है।

होंडा अवेंशियर की पहली झलक आई सामने, टोयोटा फॉर्च्यूनर को मिलेगी नई चुनौती

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: वाहन निर्माता कंपनी होंडा ने अपनी नई बड़ी एसयूवी अवेंशियर की झलक सार्वजनिक कर दी है। कंपनी की यह नई गाड़ी बाजार में टोयोटा फॉर्च्यूनर जैसी बड़ी एसयूवी को चुनौती देने की तैयारी में है। इसके सामने आने के बाद वाहन बाजार में नई प्रतिस्पर्धा की उम्मीद बढ़ गई है। होंडा अवेंशियर को आकर्षक बनावट और दमदार बाहरी रूप के साथ तैयार किया गया है। कंपनी ने इसके बाजार में आने से पहले इसकी तस्वीरें जारी की हैं। नई गाड़ी को बड़ी एसयूवी श्रेणी में उतारने की तैयारी है। इसका उद्देश्य उन ग्राहकों को आकर्षित करना है, जो अधिक जगह, मजबूत बनावट और प्रीमियम श्रेणी की गाड़ी पसंद करते हैं। होंडा की यह गाड़ी कंपनी की बड़ी एसयूवी श्रेणी में महत्वपूर्ण पेशकश मानी जा रही है। बाजार में इसका मुकाबला टोयोटा फॉर्च्यूनर जैसी लोकप्रिय गाड़ियों से होने की संभावना है। हालांकि, कंपनी ने इसकी कीमत, इंजन क्षमता, सुविधाओं और बिक्री शुरू होने की तारीख से जुड़ी विस्तृत जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की है। इसकी तकनीकी विशेषताओं और बाजार में उपलब्धता को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

संकट में स्पाइसजेट, 13 विमानों के भरोसे चल रही कंपनी; डीजीसीए ने सात दिन में मांगा जवाब

- लगातार उड़ानें रद्द होने और देरी पर विमानन नियामक ने जारी किया नोटिस
- बाजार हिस्सेदारी घटकर 0.6 प्रतिशत पर पहुंची



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश की प्रमुख विमानन कंपनियों में शामिल रही स्पाइसजेट इन दिनों आर्थिक संकट और परिचालन संबंधी परेशानियों से जूझ रही है। लगातार उड़ानें रद्द होने, निर्धारित समय से देरी और विमानों की कमी को लेकर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कंपनी को नोटिस जारी किया है। 17 नवंबर को जारी इस नोटिस में कंपनी से सात दिन के भीतर जवाब मांगा गया है। वर्ष 2019 में देश की दूसरी सबसे बड़ी विमानन कंपनी रही स्पाइसजेट के पास अब केवल 13 विमान बचे हैं। इनमें से भी 10 से कम विमान उड़ान भरने की स्थिति में बताए जा रहे हैं।

कंपनी पर करीब 35 करोड़ रुपये का कर्ज है। विमान पट्टे पर देने वाली कंपनियों को समय पर भुगतान नहीं कर पाने के कारण कई विमान सेवा से हटाए गए हैं या खड़े हैं। पिछले नौ महीनों में घरेलू बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी 3.9 प्रतिशत से घटकर 0.6 प्रतिशत रह गई है।

सात मामलों में मांगा जवाब

नागर विमानन महानिदेशालय ने कंपनी से सात प्रमुख मामलों में स्पष्टीकरण मांगा है। इनमें छोटे और दूरदराज के शहरों के लिए निर्धारित उड़ानों का संचालन नहीं करना, यात्रियों को समय पर सहायता उपलब्ध नहीं कराना, पहले लगाए गए जुर्माने का भुगतान नहीं करना और अनिवार्य बीमा सुरक्षा के नवीनीकरण में अनिश्चितता शामिल है। इसके अलावा विदेशी विमानन एजेंसियों ने भी कंपनी की सेवाओं और भुगतान में देरी को लेकर शिकायतें की हैं। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन के लिए जरूरी शर्तों का पालन नहीं करने पर भी सवाल उठाए गए हैं। नियमानुसार अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करने वाली कंपनी के पास कम से कम 20 विमान या कुल क्षमता का 20 प्रतिशत, जो भी अधिक हो, घरेलू उड़ानों के लिए होना चाहिए। 19 नवंबर को स्पाइसजेट की समय पर उड़ान भरने की दर केवल 25 प्रतिशत रही, जबकि अन्य भारतीय विमानन कंपनियों की यह दर 80 प्रतिशत से अधिक थी।

सितंबर में पांच में से एक उड़ान रद्द

नागर विमानन महानिदेशालय के सितंबर के आंकड़ों के अनुसार, स्पाइसजेट की 20 प्रतिशत से अधिक निर्धारित उड़ानें रद्द हुईं। इस दौरान केवल 16.6 प्रतिशत उड़ानें समय पर रवाना हो सकीं। करीब 36 हजार यात्रियों को दो घंटे से अधिक की देरी का सामना करना पड़ा, जबकि 21,700 यात्री उड़ानें रद्द होने से प्रभावित हुए। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी फरवरी में 3.9 प्रतिशत थी, जो अगस्त में घटकर 1.2 प्रतिशत और सितंबर में 0.6 प्रतिशत रह गई। इस बीच कंपनी के शेयर में भी करीब पांच प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और भाव 9.74 रुपये पर पहुंच गया। बीएसई ने भी नियामक के नोटिस को लेकर कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है। आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कंपनी के निदेशक मंडल ने 18 नवंबर को 5500 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। दूसरी ओर, दुबई की विमान सेवा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनी डीएनाटा का स्पाइसजेट पर करीब 35.8 करोड़ रुपये बकाया है।

एंथ्रोपिक के सार्वजनिक निर्गम ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, 400 से अधिक कर्मचारी बने अरबपति

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: एआई के क्षेत्र में काम करने वाली अमेरिकी कंपनी एंथ्रोपिक ने शेयर बाजार में प्रवेश के साथ नया इतिहास रच दिया है। कंपनी ने गुरुवार को अपने सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से 81.3 अरब डॉलर यानी करीब सात लाख करोड़ रुपये जुटाए। इसके साथ ही यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बन गया। कंपनी ने इस मामले में एलन मस्क की अंतरिक्ष क्षेत्र की कंपनी स्पेसएक्स का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। शेयर बाजार में एंथ्रोपिक के शेयर 83 डॉलर के निर्गम मूल्य के मुकाबले 34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 111.50 डॉलर पर सूचीबद्ध हुए। हालांकि, कारोबार के अंत में इनकी कीमत 17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.17 डॉलर रही।

कंपनी के सार्वजनिक निर्गम से उसके कर्मचारियों की संपत्ति में भी भारी इजाफा हुआ है। उपलब्ध अनुमानों के मुताबिक, कंपनी के 400 से अधिक कर्मचारियों की संपत्ति 100 मिलियन डॉलर यानी करीब 900 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। वहीं, लगभग 2800 कर्मचारी कम से कम 10 मिलियन डॉलर यानी करीब 93 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक बन गए हैं। हालांकि, शेयर बेचने पर लागू प्रतिबंध की अवधि के कारण कर्मचारी तत्काल अपने सभी शेयर नहीं बेच सकेंगे। कंपनी में करीब पांच हजार कर्मचारी कार्यरत हैं।

160 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंचा मूल्यांकन

शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद एंथ्रोपिक का कुल बाजार मूल्य करीब 1.8 ट्रिलियन डॉलर यानी लगभग 160 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। कारोबार के दौरान इसका मूल्यांकन एक समय दो ट्रिलियन डॉलर के पार भी चला गया था। इस मूल्यांकन के साथ कंपनी अमेरिका की सातवीं सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। एंथ्रोपिक ने सार्वजनिक निर्गम से जुटाई गई राशि के मामले में स्पेसएक्स को पीछे छोड़ा है।

सेंसेक्स 898 अंक उछला; निवेशकों ने कमाए 1.83 लाख करोड़ रुपये

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार, 20 नवंबर को जोरदार तेजी दर्ज की गई। कारोबार के दौरान सेंसेक्स करीब 1000 अंक उछलकर नौ महीने बाद 84 हजार के स्तर के पार पहुंच गया। हालांकि, दिन के अंत में कुछ मुनाफावसूली के कारण यह 898 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,920 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 300 अंक यानी 1.06 प्रतिशत चढ़कर 25,800 के पार पहुंच गया। सूचना प्रौद्योगिकी और रियल्टी क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी देखने को मिली। दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 84,037.96 का उच्चतम स्तर छुआ। इससे पहले 12 फरवरी को सेंसेक्स 84,061 के स्तर पर पहुंचा था। इस तरह करीब नौ महीने बाद बाजार ने एक बार फिर 84 हजार का स्तर पार किया।

विदेशी निवेशकों की खरीदारी से मिला सहारा

बाजार में तेजी की प्रमुख वजह विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी रही। पिछले सात कारोबारी दिनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार में 14,927 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इसी अवधि में 6,482 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। विदेशी निवेशकों की खरीदारी से बाजार में सकारात्मक माहौल बना और प्रमुख सूचकांकों को मजबूती मिली। दूसरी बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी रही।



अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल घटकर करीब 90 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में कीमतों में कमी से देश के आयात खर्च और महंगाई पर दबाव घटने की उम्मीद है। इससे निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। शेयर बाजार में तेजी के कारण निवेशकों की संपत्ति में करीब 1.83 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले कारोबारी सत्र के 511.97 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 514 लाख करोड़ रुपये हो गया।

एशियाई और अमेरिकी बाजारों में गिरावट

भारतीय बाजार में तेजी के विपरीत एशियाई बाजारों में भारी गिरावट रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 5.21 प्रतिशत और जापान का निक्केई 5.06 प्रतिशत टूट गया। हांगकांग का हैंगसेंग भी 1.89 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।

एनवीडिया से जुड़े घटनाक्रम के बीच कैलनिक ने हुआंग की वापसी की मांग उठाने का संकेत दिया

जेनसन हुआंग के समर्थन में सड़क पर उतरेंगे उबर के संस्थापक ट्रैविस कैलनिक

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: अमेरिकी प्रौद्योगिकी जगत में एनवीडिया के पूर्व प्रमुख जेनसन हुआंग की वापसी को लेकर अभियान तेज हो गया है। अब उबर के सह-संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ट्रैविस कैलनिक भी उनके समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने कहा है कि जरूरत पड़ने पर वह एनवीडिया के मुख्यालय पहुंचकर कर्मचारियों, कंपनियों के संस्थापकों और उद्योग जगत के प्रमुख लोगों के साथ प्रदर्शन करेंगे। कैलनिक ने अमेरिका के ऑस्टिन में आयोजित टुमॉरो एक्स सम्मेलन में निवेशक एंटोनियो ग्रासियास के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह एनवीडिया के मुख्यालय में विशेष रूप से तैयार ध्वनि विस्तारक यंत्र लेकर पहुंचेंगे, जिस पर अर्धचालक की परतें लगी होंगी। उनका उद्देश्य कर्मचारियों को एकजुट कर हुआंग की वापसी के समर्थन में प्रदर्शन करना होगा।



खुद भी कंपनी से बाहर होने का सामना कर चुके हैं कैलनिक

कैलनिक ने हुआंग के मामले की तुलना वर्ष 2017 में उबर से अपने इस्तीफे से की। उस समय कंपनी की कार्यसंस्कृति और कर्मचारियों से जुड़े विवादों के कारण निवेशकों का दबाव बढ़ गया था। इसके बाद कैलनिक को मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पद छोड़ना पड़ा था। उन्होंने बताया कि हुआंग को वर्ष 2017 की उन खबरों के चित्र भी भेजे थे, जिनमें उबर में उनकी वापसी की मांग को लेकर चलाए गए अभियान का उल्लेख था। कैलनिक ने कहा कि उन्होंने हुआंग को संदेश देकर समर्थन जताया, लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला।

दो लाख से अधिक लोगों ने किया समर्थन

हुआंग की वापसी की मांग को लेकर इंटरनेट पर चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान में दो लाख से अधिक लोग जुड़ चुके हैं। इसमें कई प्रमुख उद्योगपति और निवेशक भी समर्थन जता चुके हैं। एलन मस्क ने भी इस अभियान का समर्थन किया है। इसके अलावा प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कई अन्य प्रमुख लोगों ने भी हुआंग के पक्ष में आवाज उठाई है। हुआंग ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि यदि कंपनी का संचालक मंडल उनके लौटने को कंपनी, कर्मचारियों और निवेशकों के हित में मानता है, तो वह वापस आने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपने निजी जीवन से जुड़ी गलतियों के लिए पत्नी से माफी भी मांगी है। हालांकि, एनवीडिया के संचालक मंडल ने फिलहाल उनकी वापसी की संभावना से इनकार किया है। कंपनी ने उनके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है और नए प्रमुख की तलाश शुरू कर दी है।

नौकरी के लिए केवल डिग्री काफी नहीं कंपनियां देखती हैं ये पाँच खूबियाँ

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: नौकरी पाने के लिए अच्छी डिग्री और अच्छे अंक ही पर्याप्त नहीं हैं। कंपनियां उम्मीदवार की कार्यक्षमता, व्यवहार, सीखने की इच्छा और जिम्मेदारी निभाने की क्षमता को भी महत्व देती हैं। क्वेस कॉर्प के कार्यकारी निदेशक एवं समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी लोहित भाटिया ने युवाओं से बातचीत के दौरान रोजगार और करियर से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि कंपनियां नौकरी के लिए उम्मीदवार चुनते समय मुख्य रूप से पांच खूबियों पर ध्यान देती हैं। भाटिया के अनुसार, पहली महत्वपूर्ण खूबी काम के प्रति जुनून है। उम्मीदवार को यह स्पष्ट होना चाहिए कि वह किस क्षेत्र में काम करना चाहता है और उसकी रुचि किस काम में है। दूसरी खूबी



धैर्य और कठिन परिस्थितियों से उबरने की क्षमता है। कंपनियां यह देखती हैं कि असफलता या चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बाद कर्मचारी किस तरह खुद को संभालता है और दोबारा बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करता है। तीसरी खूबी ईमानदारी और नैतिकता है। कर्मचारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में ही नहीं, बल्कि उनकी अनुपस्थिति में भी कितनी जिम्मेदारी से काम करता है, यह महत्वपूर्ण है। चौथी खूबी संगठन के हितों को समझना है। कर्मचारी को व्यक्तिगत लाभ के साथ कंपनी के उद्देश्यों और जिम्मेदारियों को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। पांचवीं खूबी सीखने और सोचने की क्षमता है। कंपनियां ऐसे उम्मीदवार चाहती हैं, जो सवाल पूछ सकें, नई बातें सीखें और समस्याओं का समाधान निकाल सकें। भाटिया ने नए उम्मीदवारों को अपना जीवनवृत्त तैयार करते समय परिवार और व्यक्तिगत पृष्ठभूमि, शैक्षणिक योग्यता, रुचि और जुनून, भविष्य का लक्ष्य तथा संबंधित कंपनी में अपने संभावित योगदान का स्पष्ट उल्लेख करने की सलाह दी।

कंपनियों और औद्योगिक संगठनों को समस्याएं रखने का मिलेगा अवसर

इस्पात आयात से जुड़ी समस्याओं पर 25 नवंबर को खुली बैठक करेगा मंत्रालय

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: इस्पात आयात से जुड़ी समस्याओं और प्रक्रियागत अड़चनों पर चर्चा के लिए केंद्रीय इस्पात मंत्रालय 25 नवंबर को नई दिल्ली में खुली बैठक आयोजित करेगा। यह बैठक तीसरी मंजिल स्थित इस्पात कक्ष, जीपीओए-3, नेताजी नगर में सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक होगी। इसमें कंपनियां और औद्योगिक संगठन इस्पात आयात से संबंधित अपनी समस्याएं और सुझाव रख सकेंगे।



मंत्रालय के अनुसार, इस्पात आयात निगरानी प्रणाली, सरल इस्पात आयात निगरानी प्रणाली और गुणवत्ता नियंत्रण आदेश से छूट से जुड़े मामलों पर चर्चा की जाएगी। इच्छुक कंपनियों और संगठनों को 22 नवंबर 2026 को शाम छह बजे तक टेक-स्टील, एनआईसी.इन पर ई-मेल भेजना होगा।

आवेदन में कंपनी या संगठन का नाम, उद्योग और उत्पाद का प्रकार, संबंधित आवेदन का संदर्भ, समस्या का अधिकतम 50 शब्दों में विवरण, प्रतिनिधि का नाम और संपर्क जानकारी देनी होगी। बैठक में शामिल होने के लिए ई-मेल के माध्यम से समय निर्धारित किया जाएगा। व्यवस्थागत कारणों से बिना पूर्व अनुमति पहुंचने वालों को प्रवेश नहीं मिलेगा। व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक संगठन से केवल एक प्रतिनिधि को अनुमति दी जाएगी। तीसरे पक्ष की ओर से प्रतिनिधित्व स्वीकार नहीं किया जाएगा।

स्पेशल खबर जमे हुए आलू और पीले मक्के के निर्यात में दर्ज हुई तेज वृद्धि

विदेशी बाजारों में भारतीय कृषि उत्पादों का बढ़ा कारोबार

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारतीय कृषि उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मांग लगातार बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल से सितंबर अवधि के दौरान बासमती चावल, प्रसंस्कृत जमे हुए आलू और पीले मक्के के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान बासमती चावल का निर्यात 25.4 प्रतिशत और प्रसंस्कृत आलू का निर्यात 20.8 प्रतिशत बढ़ा। वहीं, पीले मक्के के निर्यात में लगभग 12 गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। पश्चिम एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ती मांग से भारतीय कृषि उत्पादों को नए बाजार मिल रहे हैं।

बासमती चावल का निर्यात 1.60 अरब डॉलर पहुंचा



बासमती चावल के निर्यात में इस अवधि के दौरान 25.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में इसका निर्यात 1.28 अरब डॉलर था, जो बढ़कर 1.60 अरब डॉलर हो गया। ईरान में निर्यात 44.1 प्रतिशत बढ़कर 187.1 मिलियन डॉलर पहुंच गया। सऊदी अरब में यह 174.4 मिलियन डॉलर और अमेरिका में 139.8 मिलियन डॉलर रहा। संयुक्त अरब अमीरात में निर्यात 138.3 मिलियन डॉलर तक पहुंचा। यमन और ओमान में भी क्रमशः 66.8 और 65.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

प्रसंस्कृत आलू के निर्यात में 20.8 प्रतिशत वृद्धि

तैयार और संरक्षित जमे हुए आलू का निर्यात 148.5 मिलियन डॉलर से बढ़कर 179.4 मिलियन डॉलर हो गया। फिलीपींस 36.7 मिलियन डॉलर के निर्यात के साथ प्रमुख बाजार रहा, जबकि सऊदी अरब में 24.3 मिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। इंडोनेशिया में निर्यात 75 प्रतिशत बढ़कर 13.3 मिलियन डॉलर और जापान में 112.9 प्रतिशत बढ़कर 13.2 मिलियन डॉलर पहुंच गया। चीन में भी निर्यात 160 प्रतिशत बढ़ा।

पीले मक्के के निर्यात में 1156 प्रतिशत उछाल

पीले मक्के के निर्यात में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई। इसका निर्यात 9.78 मिलियन डॉलर से बढ़कर 122.82 मिलियन डॉलर हो गया। वियतनाम को 69.94 मिलियन डॉलर और बांग्लादेश को 30.84 मिलियन डॉलर का निर्यात किया गया। फिलीपींस में भी 8.55 मिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। संयुक्त अरब अमीरात और मलेशिया में भी निर्यात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भारतीय कृषि उत्पादों की पहुंच पारंपरिक बाजारों के साथ नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक भी बढ़ रही है। बासमती चावल, प्रसंस्कृत आलू और पीले मक्के के निर्यात में वृद्धि ने कृषि उत्पादों के भौगोलिक विस्तार को दर्शाया है।

पीयूष गोयल ने किया विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान का आह्वान

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को यहां दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के स्नातकों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया। गोयल ने उनसे 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में योगदान देने का भी आह्वान किया।

गोयल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के 103वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में देश की आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पिछले एक दशक में लगभग 50 करोड़ भारतीय अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं। गोयल ने बताया कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बनकर उभरा है। एक दशक पहले यहां कुछ सौ स्टार्टअप थे, जो अब बढ़कर 2,50,000 हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इनमें 130 से ज़्यादा यूनिकॉर्न शामिल हैं। गोयल ने स्नातकों के जीवन में उत्साह और उमंग की कामना करते हुए, उन्हें उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवा भारतीय अब नौकरी खोजने वालों के बजाय नौकरी देने वाले (जॉब क्रिएटर्स) बन रहे हैं। वे प्रयोग करने, असफलता को स्वीकार करने और नई चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।